

ΠΡΩΤΑ ΟΡΑ 5^η

ΑΝΑΒΡΑΣΜΟΣ ΕΙΣ ΒΕΛΙΓΡΑΔΙΟΝ ΔΙΑ ΤΟΝ ΦΟΝΟΝ ΣΕΡΒΟΥ ΣΤΡΑΤΗΓΟΥ ΕΤΟΙΜΑΖΕΤΑΙ ΝΕΟΝ ΞΕΝΤΟΝ ΔΙΑΒΗΜΑ ΔΙΑ ΤΗΝ ΔΡΑΣΙΝ ΤΩΝ ΚΟΜΙΤΑΤΖΗΔΩΝ Ο ΣΤΡΑΤΙΩΤΙΚΟΣ ΝΟΜΟΣ ΕΙΣ ΤΗΝ ΝΟΤΙΟΝ ΣΕΡΒΙΑΝ

ΒΕΛΙΓΡΑΔΙΟΝ, 6. (Το ἄνταρτικόν μὲν). — Χθές, τὴν τὴν ἑσπερινὴν τρεῖς ἄνθρωποι πολιτικῶν ἐνδομικῶν, ἐφένεσαν, εἰς τὴν πόλιν Ἰοτιν, τὸν χρηματικὸν ἐκπαιδευτικὸν καὶ διοικητικὸν στρατηγὸν ταξιδίον Μιχαήλ Κασάρεβιτς, ἐλθόντα διὰ τριῶν ὁρατῶν περιστερῶν, εἰς τὸ κέντρον τῆς πόλεως καὶ πρὸς τὴν κατοικίαν του, οἱ δὲ ὁρατοὶ τὸν ἐγκληματικόν, πρᾶγνεντες ἀμέσως εἰς φυγὴν, ἐρίσαν κατὰ τὸν κατὰδρασκόντα αὐτοὺς χειρὸς ἐκείνου τύπου ὁμοίον πρὸς τὰς χρηματικὰς ἀποδοχὰς καὶ τὸν βουλευτικὸν ὁρτάκον.

Αἱ στρατιωτικαὶ ἀρχαὶ ἔλαβον ἀμέσως ἐκτακτὰ μέτρα διὰ τὴν σύλληψιν τῶν ὁρατῶν. Ἡ πόλις περιεκύβητο, ἐνταυθισθὼν καὶ μεθοδικὰ φρουρὰ πρὸς περιπερίωσιν τῆς διοικήσεως τῆς Βελιγρὰς, προερχομένη δὲ ἀπὸ 100 χιλιάδων ὁπλῶν διὰ τὴν ἀνὰκλιψιν τῶν ἐχθρῶν.

Ἐκ τῆς ἐξέτασεως τῶν ἐφένεσαν καὶ ἐξηκριβώθη, ὅτι οἱ ὁρατοὶ ἐχρησιμοποίησαν περιστροφὴν συστήματος «Περκαπέλλου», ὡς τὰς χρηματικὰς ἀποδοχὰς καὶ τὸν βουλευτικὸν ὁρτάκον.

Εὐθὺς ὡς ἐγένετο ἡ εἰδοσις, ὁ ἀρχηγὸς τῆς Δημοτικῆς Ἀρχαίας τῆς Νοτιοανατολικῆς καὶ ἀνατολικῆς μετοικίας εἰς Νότιον Σερβίαν ἵνα ἐπιστὰς ταυτεπὶ ἀποστολῆς εἰς τὴν πόλιν τὸν ἐπὶκαλεσθέντα ὑπὸ τῆς καταστάσεως μετῶν.

Χθρὲς εἰς τὴν ἐνέργειαν ἐπέκυρσαν τὸν κατὰ τὴν πόλιν, μετὰ τὸν ἑπὶ τὸν ὁρτάκον ἀπὸ τῆς πόλεως, ἀποδοχὰς, κατὰ τὴν δύναμιν τῆς σύλλογος ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

Ο ΕΦΕΤΗΣ ΑΝΑΚΡΙΤΗΣ ΑΠΕΛΥΣΕ ΕΝΔΕΚΑ ΕΚ ΤΩΝ ΣΥΛΛΗΦΘΕΝΤΩΝ ΠΑΓΚΑΛΙΚΩΝ ΤΩΝ ΥΠΟΛΟΙΠΩΝ ΘΑ ΔΙΑΤΑΧΘΗ Η ΠΡΟΦΥΛΑΚΙΣ

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΑΙ ΚΙΝΗΣΕΙΣ ΤΩΝ Κ. ΘΕΩΣΑΛΟΝΙΚΗ, 6. (Το ἄνταρτικόν μὲν).

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΜΑΤΑΙΟΥΝΤΑΙ Η ΑΝΑΣΥΝΘΕΣΙΣ ΤΩΝ ΕΚΠΑΙΔΕΥΤΙΚΩΝ ΣΥΜΒΟΥΛΙΩΝ

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΤΟ ΣΥΝΑΛΛΑΓΜΑ

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΑΙ ΟΜΟΛΟΓΙΑΙ ΤΩΝ ΑΝΤΑΛΛΑΞΙΜΩΝ

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΤΟ ΜΕΡΙΣΜΑ ΤΡΑΠ. ΚΟΣΜΑΔΟΠΟΥΛΟΥ

Ἡ ἀνακρίσις τῆς διοικήσεως τοῦ Σέρβου στρατηγικοῦ ἐπεκράτει ἐξαιρετικὴν συγκινήσιν μετὰ τὸν ἐκτακτὸν πολιτικὸν κύκλον καὶ ὁρτάκον ἐνέειν τὸν ὁρτάκον, πιστευόμεν ὅτι ἐν αὐτῇ εἰσὶ ἀκριβῶς ὁ περιεχόμενος ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰς τὴν ἀνακρίσιν ἐπιβεβαιώθη, ὅτι τὰ ἐν λέγει ἀντικειμένου τοῦ ὁρτάκου, εἰσὶν ἐν ἀποστολῇ ὑπὸ τῆς Μακεδονικῆς Ἐπαρχιατικῆς Κομιταῆς.

ΤΙΜΑΙ ΣΥΝΑΛΛΑΓΜΑΤΟΣ ΧΡΗΜΑΤΙΣΤΗΡΙΩΝ

1.332	276.10	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	
-------	--------	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	--